

ଶନି ଅଷ୍ଟୋତ୍ତରଶତନାମାବଳୀ

{ || ଶନି ଅଷ୍ଟୋତ୍ତରଶତନାମାବଳୀ ॥ }

ଶନି ବୀଜ ମନ୍ତ୍ର -

ଓঁ পুঁ পুঁ পুঁ শনেশ্বরায় নমঃ ॥

ଓঁ শনেশ্বরায় নমঃ ॥

ଓঁ শান্তায় নমঃ ॥

ଓঁ সর্বাভিষ্ঠপ্রদায়নে নমঃ ॥

ଓঁ শরণ্যায় নমঃ ॥

ଓঁ বরেণ্যায় নমঃ ॥

ଓঁ সর্বেশায় নমঃ ॥

ଓঁ দ্বৌম্যায় নমঃ ॥

ଓঁ যুববন্ধ্যায় নমঃ ॥

ଓঁ যুবলোকবিহারিণে নমঃ ॥

ଓঁ যুଖାସନୋପବିଷ୍ଣାୟ নମଃ ॥ ୧୦

ॐ सूक्ष्मराय नमः ॥

ॐ वृन्दाय नमः ॥

ॐ वृन्दारूपाय नमः ॥

ॐ वृन्दाभरणधारिणे नमः ॥

ॐ वृन्दारविलेपाय नमः ॥

ॐ शब्देयाताय नमः ॥

ॐ मन्दाय नमः ॥

ॐ मन्दचेष्टाय नमः ॥

ॐ महनैयगृणामृने नमः ॥

ॐ मर्त्यपाबनपदाय नमः ॥ १०

ॐ महेशाय नमः ॥

ॐ छायापूत्राय नमः ॥

ॐ शर्वाय नमः ॥

ॐ शत्रूणैरधारिणे नमः ॥

ॐ चरण्विग्रहभावाय नमः ॥

ॐ अवश्लाय नमः ॥

ॐ नैवेद्याय नमः ॥

ॐ नित्याय नमः ॥

ॐ नैवाञ्जननिभाय नमः ॥

ॐ नैवामृतबिभूषणाय नमः ॥ ३०

ॐ निष्ठलाय नमः ॥

ॐ वेद्याय नमः ॥

ॐ बिधूपाय नमः ॥

ॐ विरोधाधारभूमये नमः ॥

ॐ उदाष्टद्वंवभावाय नमः ॥

ॐ बक्तुदेहाय नमः ॥

୩୦ ବୈରାଗ୍ୟଦାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ବୀରାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ବୀତରୋଗଭୟାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ବିପୃତରଙ୍ଗରେଶାୟ ନମ୍ୟ ॥ ୪୦

୩୦ ବିଶ୍ଵବଦ୍ୟାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ଗୁଧ୍ନବାହାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ଗୁତ୍ତାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ କୂର୍ମାଙ୍ଗାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ କୁରୂପିଣେ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ କୁଷ୍ଠିତାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ଗୁଣାତ୍ୟାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ଗୋତରାୟ ନମ୍ୟ ॥

୩୦ ଅବିଦ୍ୟାମୂଳନାଶାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ बिद्याबिद्यास्त्रबूषिणे नमः ॥ ४०

ॐ आयुष्यकारणाय नमः ॥

ॐ आपदुष्टर्त्रे नमः ॥

ॐ बिष्णुभक्ताय नमः ॥

ॐ ब्रह्मने नमः ॥

ॐ बिबिधागमवेदिने नमः ॥

ॐ बिष्णुत्याय नमः ॥

ॐ ब्रह्माय नमः ॥

ॐ बिरुपाक्षाय नमः ॥

ॐ बरिष्णाय नमः ॥

ॐ गरिष्णाय नमः ॥ ७०

ॐ बक्त्राङ्गशधराय नमः ॥

ॐ बरदात्यहस्ताय नमः ॥

ॐ बामनाय नमः ॥

ॐ केष्ठपत्रैषमेताय नमः ॥

ॐ श्रेष्ठाय नमः ॥

ॐ मित्राष्ट्रिणे नमः ॥

ॐ कष्टोद्धनाशकर्त्रे नमः ॥

ॐ पूष्टिदाय नमः ॥

ॐ सूर्याय नमः ॥

ॐ ष्ट्रोत्रगमयाय नमः ॥ ७०

ॐ उक्तिबश्याय नमः ॥

ॐ भानवे नमः ॥

ॐ भानुपूत्राय नमः ॥

ॐ भूर्याय नमः ॥

ॐ पावनाय नमः ॥

ॐ ଧନୁର୍ମଣ୍ଡଳସଂହାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ଧନଦାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ଧନୁଷ୍ଠତେ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ତନୁପ୍ରକାଶଦେହାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ତାମସାୟ ନମ୍ୟ ॥ ୮୦

ॐ ଅଶୋଷଜନବନ୍ୟାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ବିଶେଷପଞ୍ଚଲଦାୟ ନେ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ବଶୀକୃତଜନେଶାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ପଶୁନାଂ ପତ୍ରେ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ଖେଚରାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ଖଗେଶାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ ଘନନୀଲାମ୍ବନାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ କାଠିନ୍ୟମାନସାୟ ନମ୍ୟ ॥

ॐ आर्यगणस्तुत्याय नमः ॥

ॐ नैक्षत्राय नमः ॥ ९०

ॐ नित्याय नमः ॥

ॐ निर्गुणाय नमः ॥

ॐ गुणामूले नमः ॥

ॐ निरामयाय नमः ॥

ॐ निन्द्याय नमः ॥

ॐ बन्धनैयाय नमः ॥

ॐ धैराय नमः ॥

ॐ दिव्यदेहाय नमः ॥

ॐ दैनात्तिहरणाय नमः ॥

ॐ देवन्यनाशकराय नमः ॥ १००

ॐ आर्यजनगण्याय नमः ॥

ॐ କୁରାୟ ନମଃ ॥

ॐ କୁରଚେଷ୍ଠାୟ ନମଃ ॥

ॐ କାମକ୍ରୋଧକରାୟ ନମଃ ॥

ॐ କଲତ୍ରପୂତ୍ରଶତ୍ରୁତ୍ରକାରଣାୟ ନମଃ ॥

ॐ ପରିପୋଷିତଭକ୍ତାୟ ନମଃ ॥

ॐ ପରତୀତିହରାୟ ନମଃ ॥

ॐ ଉତ୍ସମନୋରୀଷ୍ଟଫଳଦାୟ ନମଃ ॥

॥ ରତ୍ନ ଶନି ଅଷ୍ଟୋତ୍ତରଶତନାମାବଳିଃ ସମ୍ମର୍ତ୍ତମ୍ ॥

Propitiation of Saturn (Saturday)

CHARITY: Donate leather, farm land, a black cow, a cooking oven with cooking utensils, a buffalo, black mustard or black sesamum seeds, to a poor man on Saturday evening.

FASTING: On Saturday during Saturn transits, and especially major or minor Saturn periods.

MANTRA: To be chanted on Saturday, two hours and forty minutes before sunrise, especially

during major or minor Saturn periods:

RESULT: The planetary deity Shani is
propitiated insuring victory in quarrels,
over coming chronic pain, and bringing
success to those engaged in the iron or steel trade.

Transliteration and information by

Dr. S. Kalyanaraman kalyan97@yahoo.com

Proofread by Detlef Eichler DetlefEichler(at)gmx.net

More information <http://members.tripod.com/~navagraha>

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated Qoday

<http://sanskritdocuments.org>

Shani Ashtottara Shatanamavali Lyrics in Oriya PDF
% File name : shani108.itx
% Category : aShTottarashatanAmAvalI
% Location : doc\z\misc\ navagraha
% Language : Sanskrit
% Subject : philosophy/hinduism/religion
% Transliterated by : Dr. S. Kalyanaraman (kalyan97 at yahoo.com)
% Proofread by : Dr. S. Kalyanaraman (kalyan97 at yahoo.com), Detlef Eichler DetlefEichler at gmx.net
% Description-comments : 108 names for shani
% Source : Ashtoththara Shathanamavali Shatakam, Edited by R.M uralikrishna Srowthigal,
Published by VIDVATH SABHA, Chennai - 600073
% Latest update : Jan 25, 1998, June 3, 2007
% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
% Site access : <http://sanskritdocuments.org>
%
% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study
% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of
% any website or individuals or for commercial purpose without permission.
% Please help to maintain respect for volunteer spirit.
%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [October 13, 2015] at [Stotram](#) Website